# आईआईपीएम को 85 देशों की सेवा का श्रेय : बसु

जागरण संवाददाता, राउरकेला

सुंदरगढ़ जिले के कांसबहाल स्थित इंडियन इंस्टीच्यूट फार प्रोडक्शन मैनेजमेंट, आईआईपीएम की शाखा समेत देश के चार महानगरों में स्थित संस्था की शाखाओं को विश्व के 85 देशों के प्रशिक्षणार्थियों की सेवा का श्रेय जाता है। इंडियन इंस्टीच्यूट आफ टेक्नालाजी, एनआईटी के सहयोग से छह महीने व एक साल की दो प्रबंधकीय शिक्षा व्यवस्था इस साल से शुरू की गयी है। यह बात आईआईपीएम के निदेशक ए बसु मजूमदार ने पत्रकारों से बातचीत में कही। कांसबहाल स्थित आईआईपीएम के सम्मेलन कक्ष में शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में संस्थान के निदेशक ए बसु मजूमदार ने आईआईपीएम की स्थापना से लेकर अब तक की 20 साल की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इंडियन इंस्टीच्यूट फार फारेन ट्रेनिंग, आईआईएफटी के नाम से जाने जाने वाली इस संस्थान के जरिये 24 अक्टूबर 1983 में पहला प्रबंधकीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया।

## एनआईटी के सहयोग से प्रबंधकीय शिक्षा शुरू

वर्तमान में इसका नाम बदलकर आईआईपीएम रखा गया है। यह संस्था अपने कैंपस तथा बाहर में भी प्रबंधकीय कार्यक्रम आयोजित करती है। 20 साल पुरानी इस संस्था द्वारा 15 साल से अंतर्राष्ट्रीय स्तर में प्रबंधकीय का प्रशिक्षण दे रहा है। श्री बसु ने कहा कि उनकी संस्था को विश्व के 85 देशों के 11 सौ से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को प्रबंधकीय का प्रशिक्षण देने का श्रेय जाता है। वैसे अब तक 25 हजार को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उनकी संस्था को इंडस्ट्रीयल क्रेडिट एंड इनवेस्टमेंट कार्पोरेशन आफ इंडिया, आईसी आइ सी आई लिमिटेड, एलएंडटी लिमिटेड, उड़ीसा सरकार, टाटा स्टील, टाटा इंजीनियरिंग, सेल, उषा मार्टिन, भारत अल्यूमिनियम से लेकर ओसीएल जैसी इकाईयों का सराहनीय सहयोग मिलता रहा है।

पत्रकारों को संबोधित करते एनआईटी के अधिकारी    जागरण